खबर संक्षेप

ताप्ती गंगा एक्सप्रेस में लूटपाट का आरोपी गिरफ्तार

सतना। जीआरपी ने 25 जुलाई को ताप्ती गंगा एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच से एक महिला यात्री का पर्स लूटकर भागे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हुई। जीआरपी आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। हालांकि,अभी तक आरोपी के पास से लूटे गए लाखों के जेवरात बरामद नहीं हो पाए हैं। गिरफ्तार आरोपी का नाम सुमित वर्मा 22 वर्ष है,जो बिरसिंहपुर रामना टोला का निवासी है और प्रेमलाल वर्मा का पुत्र है। ज्ञात हो कि चौक बाजार क्षेत्र निवासी कमल जैन की पत्नी श्वेता जैन 25 जुलाई को ताप्ती गंगा एक्सप्रेस के एसी कोच में यात्रा कर रही थीं। इसी दौरान आरोपी उनका पर्स लूटकर भाग गया था। महिला यात्री ने घटना की रिपोर्ट जीआरपी सतना में दर्ज करवाई थी। महिला ने शिकायत में बताया था कि पर्स में 7 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात रखे थे। जीआरपी प्रभारी राजेश राज ने अपनी टीम के साथ मामले की जांच पड़ताल की। इस दौरान सीसीटीवी कैमरों से आरोपी का फुटेज प्राप्त हुआ,जिसके आधार पर जीआरपी ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जिले में अब तक 700.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज

सतना। सतना जिले में इस साल 1 जून से 5 अगस्त तक कुल 700.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख अधीक्षक से मिली जानकारी के अनुसार,यह पिछले साल इसी अवधि में दर्ज की गई 444 मिमी वर्षा से काफी ज़्यादा है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मिमी है, और अभी तक दर्ज की गई वर्षा इसके करीब है। तहसील-वार आँकड़ों में रघुराजनगर में 839.7 मिमी, सोहावल में 601.7 मिमी,बरौंधा (मझगवां) में 880.5 मिमी,बिरसिंहपुर में 624.6 मिमी,रामपुर बाघेलान में 613.9 मिमी,नागौद में 858.4 मिमी,जसो में 355.2 मिमी और उचेहरा में 830.3 मिमी वर्षा हुई है।

मैहर में रोटरी क्लब के गठन की मांग, रेड क्रॉस सोसाइटी की निष्क्रियता पर चिंता

मैहर। जिला बने काफी समय हो चुका है,लेकिन यहां सामाजिक गतिविधियों का संचालन अभी भी धीमा है। इसी को देखते हुए वरिष्ठ समाजसेवी रमापति गौतम ने मैहर में रोटरी क्लब जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्था के गठन की मांग की है। उनका कहना है कि रोटरी क्लब जैसी संस्थाएं पीड़ित मानवता की सेवा करती हैं,जो मैहर के लिए अति आवश्यक है। उन्होंने मैहर में पहले से मौजूद रेड क्रॉस सोसाइटी की निष्क्रियता पर भी चिंता जताई है,जो कि केवल औपचारिकता बनकर रह गई है और कोई भी सामाजिक गतिविधि नहीं चला रही है। गौतम ने कहा कि मैहर धार्मिक,साहित्यिक और औद्योगिक क्षेत्र है,जहां सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए ऐसी संस्थाओं की मौजूदगी जरूरी है।

त्योहारों को लेकर मैहर पुलिस सतर्क, बाजार में किया फ्लैग मार्च

मैहर। आगामी त्योहारों के मद्देनजर मैहर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है।मैहर थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस ने शहर के व्यस्त बाजारों में फ्लैग मार्च किया।इस दौरान पुलिस ने दुकानदारों को भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। ठेले और फेरी लगाने वालों को भी सड़क पर यातायात बाधित न करने की सख्त हिदायत दी गई। पुलिस ने आम जनता को भी सुरक्षा का भरोसा दिलाया और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की।

अब हर मंगलवार होगा 'सायकिल डे', संभाग आयुक्त के आह्वान पर शुरू हुआ 'सायकिल डे'

कलेक्टर सहित कई अधिकारी साइकिल से पहुंचे कार्यालय

सतना। यहां पर मंगलवार को रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद के आह्वान पर कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस समेत कई अधिकारी और कर्मचारी साइकिल से कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस अभियान में एसडीएम सिटी राहुल सलाडिया और तहसीलदार रघुराज नगर सौरभ मिश्रा भी शामिल हुए। कलेक्टर ने अपने बंगले से संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन तक की ढाई किलोमीटर की दूरी 23 मिनट में पूरी की। संभागीय आयुक्त ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की है कि वे हर मंगलवार को 'साइकल डे' के तहत स्वेच्छा से कार्यालय आने के लिए साइकिल का उपयोग करें।

प्रदूषण पर फोकस

गाड़ियों से निकलने वाले धुएं में कमी आने से वायु प्रदूषण घटेगा इस पहल का मुख्य उद्देश्य ईंधन की बचत और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कर्मचारियों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करना है। इससे निजी और शासकीय पेट्रोल/डीजल वाहनों के उपयोग में कमी आएगी। यह व्यक्तिगत आर्थिक बचत के साथ राष्ट्रीय संसाधनों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा। गाड़ियों से निकलने वाले धुएं में कमी आने से वायु प्रदूषण घटेगा। इससे शहर का पर्यावरण ज्यादा स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक होगा।

साइकिल चलाना व्यायाम भी है

साइकिल चलाना एक बेहतरीन व्यायाम है जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। सार्वजनिक परिवहन या ई-स्कूटी से आ सकती हैं महिला अधिकारी-कर्मचारी क्षेत्र में दौरे के लिए पूल गाड़ी की व्यवस्था की सलाह दी गई है। इसमें दो-तीन अधिकारी समन्वय कर एक ही गाड़ी का उपयोग कर सकते हैं। इससे योजनाओं का निरीक्षण बेहतर होगा और विभागीय समन्वय से समस्याओं का त्वरित समाधान संभव होगा। महिला अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विकल्प दिया गया है। वे सार्वजनिक परिवहन या अपनी ई-स्कूटी से कार्यालय आ सकती हैं।

ये पहल पूरी तरह स्वैच्छिक

यह पहल पूरी तरह स्वैच्छिक है। आयुक्त रीवा संभाग ने सभी से अपील की है कि वे इसमें सक्रिय भागीदारी निभाकर इसे सफल बनाएं। यह न केवल एक संस्थागत उत्तरदायित्व है बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति नैतिक जिम्मेदारी भी है।

मैहर कलेक्टर ने 3 किमी पैदल चलकर की 'साइकिल दिवस' पहल की शुरुआत

पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए मैहर संभाग में एक नई पहल शुरू की गई है।अब से हर मंगलवार को 'साइकिल दिवस' मनाया जाएगा,जिसमें सभी सरकारी अधिकारी और कर्मचारी साइकिल या पैदल चलकर दफ्तर आएंगे। इस पहल की शुरुआत मैहर कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड़ ने की,जो 3 किलोमीटर पैदल चलकर अपने दफ्तर पहुंचीं। उनके साथ अपर कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार सहित कई अधिकारी और कर्मचारी भी साइकिल और पैदल आए। यह पहल बढ़ते प्रदूषण और ईंधन की कीमतों को देखते हुए शुरू की गई है। अधिकारियों को मंगलवार को पेट्रोल या डीजल से चलने वाले वाहनों का उपयोग न करने का निर्देश दिया गया है। महिला अधिकारी ई-स्कूटी या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर सकती हैं।

जनसुनवाई: समस्याओं के समाधान के लिए उमड़ रही भीड़

सतना। सरकारी कार्यालयों में आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सतना जिले में जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है,जिसमें बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंच रहे हैं।यह जनसुनवाई लोगों के लिए अपनी बातों को सीधे अधिकारियों तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण जरिया बन गई है। हाल ही में कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में,कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस ने जिले के विभिन्न हिस्सों से आए 121आवेदकों की समस्याओं को सुना। कलेक्टर ने अपर कलेक्टर सुधीर बेक और डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा के साथ मिलकर सभी आवेदकों से उनके आवेदन प्राप्त किए और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। कुछ मामलों का मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए गए,जबकि बाकी सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को कार्यवाही के लिए भेज दिया गया।

नगर निगम में जनसुनवाई

इसी तरह,नगर निगम में भी महापौर योगेश ताम्रकार और नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी ने जन सुनवाई की। इस दौरान कुल 47 आवेदक उपस्थित हुए। जनसुनवाई में सबसे अधिक 13 शिकायतें पीएम आवास से संबंधित थीं। इसके अलावा,अतिक्रमण शाखा से 5,योजना शाखा से 2,पेयजल शाखा से 4,निर्माण शाखा से 2,ईपीएफ शाखा से 1,विद्युत शाखा से 1,संपत्ति कर शाखा से 2 और स्वास्थ्य शाखा से 2 शिकायतें प्राप्त हुईं। महापौर और नगर निगम अध्यक्ष ने भी कुछ शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया और शेष आवेदनों को संबंधित शाखाओं के प्रभारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेज दिया। जनसंपर्क अधिकारी धीरज मिश्रा ने बताया कि जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं को लेकर लोग अपनी शिकायतें दर्ज कराने आ रहे हैं। यह जनसुनवाई इस बात का प्रमाण है कि जनता को सरकारी विभागों से जुड़ी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लगातार उमड़ रही भीड़ इस बात को दर्शाती है कि लोगों को अपने कामों के लिए अधिकारियों के सामने अपनी बात रखने की आवश्यकता महसूस हो रही है।अधिकारियों द्वारा मौके पर समाधान किए जाने से कुछ लोगों को तुरंत राहत मिल रही है,लेकिन शेष आवेदनों पर होने वाली कार्यवाही का इंतजार अभी भी जारी है।

मैहर जिले की जनसुनवाई में आए 28 आवेदन

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में,मैहर की कलेक्टर रानी बाटड ने जिले के अलग-अलग हिस्सों से आए 28 आवेदकों की शिकायतों को सुना। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन आवेदनों पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह और एसडीएम विकास सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे। कलेक्टर ने हर आवेदन पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिया और यह सुनिश्चित किया कि लोगों की समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द हो। इस जनसुनवाई का उद्देश्य लोगों को सरकारी सेवाओं तक सीधी पहुँच प्रदान करना और उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल करना है।

मैहर में मोबाइल कोर्ट ने 12 वाहनों से वसूला 32 हज़ार का जुर्माना

मैहर। यातायात नियमों का पालन करवाने के लिए एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। बायपास स्थित केजेएस सीमेंट फैक्ट्री तिराहा और इंडियन कैफे हाउस के सामने मैहर-कटनी और मैहर-रीवा रोड पर न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी उदयाजीत कुंवर राव ने मोबाइल कोर्ट लगाकर कार्रवाई की। इस दौरान बस,ट्रक,ऑटो और अन्य भारी वाहनों की जांच की गई। कुल 12 वाहनों को रोक कर उनके बीमा, रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस और परमिट की जांच की गई। दस्तावेज अधूरे पाए जाने पर वाहन चालकों पर कुल 32,500 का जुर्माना लगाया गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया और रेलवे स्टेशन के पास वाहनों की लंबी लाइन लग गई। इस कार्रवाई का उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

दिनदहाड़े जेवरों से भरा बैग लेकर भागे बदमाश, पुलिस जांच में जुटी

मैहर। दिनदहाड़े चोरी की एक बड़ी घटना सामने आई है। रक्षाबंधन से पहले एक आभूषण व्यापारी से लाखों के जेवर से भरा बैग चोरी हो गया। यह घटना रामनगर तहसील में हुई, जहां संतोष सोनी नाम के व्यापारी सुबह करीब 11 बजे अपनी दुकान पर पहुंचे। दुकान का ताला खोलते समय पहले से घात लगाए बैठे दो बदमाशों ने उनकी मोटरसाइकिल से जेवरों से भरा बैग चोरी कर लिया और फरार हो गए। संतोष सोनी ने तुरंत रामनगर थाना पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी ने बताया कि चोरी हुए जेवरों की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए है। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज की मदद से उनकी तलाश कर रही है।

बकाया राशि जमा न करने पर दुकान सील

सतना। शहर के बड़े बकायेदारों पर कार्रवाई करते हुए तहसीलदार रघुराजनगर सौरभ मिश्रा ने स्टेशन रोड स्थित फर्म 'लेखनी देखनी' को सील कर दिया। यह कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि फर्म के मालिक अशोक कोटवानी ने आरआरसी जारी होने के बाद भी बकाया 4 लाख रुपए की राशि जमा नहीं की थी। राजस्व विभाग ने कुर्की की कार्रवाई के तहत फर्म की मशीनें और अन्य सामान भी जब्त कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही अन्य बड़े बकायेदारों पर भी कुर्की और नीलामी की कार्रवाई की जाएगी।

मैहर-बरही मार्ग की खस्ताहाल सड़क से लोग परेशान, मरम्मत के लिए कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मैहर। मैहर से बरही को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की खराब हालत से लोग परेशान हैं। जगह-जगह गड्ढे होने से आए दिन हादसे हो रहे हैं,जिसमें कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं या अपाहिज हो गए हैं। इस मार्ग से हर रोज हजारों लोग,छात्र और व्यापारी गुजरते हैं। सड़क की मरम्मत की मांग को लेकर लोगों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने सड़क के गड्ढों को भरने और साइड शोल्डर बनवाने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर जल्द ही सड़क की मरम्मत नहीं हुई तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के लिए जिम्मेदार टोल ठेकेदार और एमपीआरडीसी सहित संबंधित विभाग पर कार्रवाई की मांग की है।

बेला पुलिस चौकी के पास 8 मवेशियों की मौत

सतना। रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र में रीवा-मैहर मार्ग पर स्थित नेशनल हाईवे-30 पर बेला पुलिस चौकी के ठीक सामने एक अज्ञात वाहन ने 9 मवेशियों को टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में 5 गायों और 3 बैलों की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि एक बैल गंभीर रूप से घायल है। रूट पेट्रोलिंग अधिकारियों के मुताबिक,इस मार्ग पर रोजाना 15 से 20 आवारा मवेशी हादसों का शिकार हो रहे हैं। इस घटना ने गौशालाओं के खाली होने और सड़क पर आवारा मवेशियों की बढ़ती संख्या पर सवाल खड़े कर दिए हैं,जबकि मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि सड़कों पर कोई मवेशी नहीं दिखेगा।

ओवरलोडिंग के खिलाफ कार्रवाई की मांग

सतना। ट्रक एसोसिएशन ने ओवरलोडिंग और अवैध खनिज परिवहन को रोकने के लिए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। एसोसिएशन ने जनसुनवाई में बताया कि हाईकोर्ट और भारत सरकार के आदेश के बावजूद आज तक किसी भी ओवरलोड वाहन पर धारा 199 के तहत कार्रवाई नहीं की गई है। उनका कहना है कि जिले की 10 में से 8 गाड़ियां ओवरलोड होती हैं,जिससे सड़कें खराब हो रही हैं और दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। एसोसिएशन ने कलेक्टर से इस मामले में तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

चलते ट्रक में लगी आग बड़ा हादसा टला

सतना। अमरपाटन रोड पर,देर रात करीब 2 बजे एक मैदा लदे ट्रक में अचानक आग लग गई। यह घटना ग्राम बांधा के पास हुई। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित किया,जिन्होंने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई,लेकिन वाहन को काफी नुकसान पहुंचा है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

खबर संक्षेप

वन विभाग परिसर में दिखा दुर्लभ ब्रॉन्ज़बैक ट्री स्नेक

पन्ना। पवई स्थित वन विभाग कार्यालय (अरण्य भवन) परिसर में करौंदा की झाड़ी पर एक आकर्षक और पूरी तरह से जहररहित ब्रॉन्ज़बैक ट्री स्नेक देखा गया। इस दुर्लभ दृश्य का अवलोकन उप वनमंडल कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर सागर सोनी द्वारा किया गया। यह सांप पतला, लंबा और फुर्तीला शरीर वाला होता है, जो आमतौर पर पेड़ों और झाड़ियों पर सक्रिय रहता है। इसकी तेज़ गति और उत्कृष्ट दृष्टि इसे और भी विशेष बनाती है। इसके शरीर का रंग भूरे-जैतूनी होता है, बगल में हल्की क्रीम या पीली पट्टी और आंखों से होकर गुज़रने वाली काली धार इसकी पहचान है। स्केल्स के बीच से झिलमिलाती नीली चमक इसे बेहद आकर्षक बनाती है। कॉमन ब्रॉन्ज़बैक दिन में सक्रिय रहने वाला सांप है जो मुख्यतः छिपकलियां, मेंढ़क और कीट-पतंगों का शिकार करता है, जिससे यह पर्यावरण में कीट नियंत्रण में अहम भूमिका निभाता है। यह सांप पूरी तरह से विषहीन होता है और मनुष्यों के लिए पूर्णतः हानिरहित है। यह स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए लाभदायक है और कृषि एवं बागवानी में उपयोगी माना जाता है। वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि ऐसे सांपों को देखकर घबराएं नहीं और दूरी बनाए रखें। इन्हें पकड़ने या नुकसान पहुंचाने की कोशिश न करें।

बजरी नहीं मिली तो धान ही बो दी सड़क में

देवेंद्रनगर। ग्राम पंचायत गढ़ी पड़रिया के बजरहा रोड पर हर रोज 30-40 परिवारों का आना-जाना होता है, लेकिन सड़क नहीं, दलदल है। बारिश के साथ ही यह सड़क अब चलने लायक नहीं रहीकृघुटनों तक कीचड़, हर कदम पर फिसलन, और चारों तरफ जलभराव। ग्रामीणों ने कई बार सरपंच और पंच से लेकर जनप्रतिनिधियों तक गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब जनता ने अनोखा विरोध दर्ज करते हुए सड़क पर ही धान रोप दी। यह दृश्य एक चीखता हुआ संदेश हैकृ"अगर सड़क नहीं बन सकती, तो खेत ही सही। बजरी, सीमेंट, और नालियों का अभाव इस क्षेत्र को साल दर साल जलमग्न कर देता है, लेकिन शासन-प्रशासन से लेकर विधायक-सांसद तक आंखें मूंदे बैठे हैं। गढ़ी पड़रिया के बजरहा मोहल्ले में पिछले तीन वर्षों से सड़क निर्माण की मांग उठ रही है, मगर न कोई निरीक्षण, न कोई प्रस्ताव, न कोई कार्ययोजना।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उन्होंने सड़कों की हालत को लेकर पंचायत से लेकर सीएम हेल्पलाइन तक शिकायतें कीं, लेकिन हर बार ष्कार्य प्रगति पर हैष या ष्बजट नहीं है' जैसे बहाने ही मिले। अब सवाल यह है कि क्या जनप्रतिनिधि केवल चुनावी वादों तक सीमित रहेंगे? क्या गांवों को बुनियादी सड़क जैसी सुविधाएं भी मांगनी पड़ेंगी? और अगर सरकार नहीं सुनती, तो क्या हर गांव को अपनी टूटी सड़क पर धान बोकर प्रदर्शन करना होगा?

छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

पन्ना। पवई विकासखण्ड अंतर्गत नारायणपुरा के शासकीय माध्यमिक शाला के छात्र-छात्राओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए अभिनव पहल की गई है, जिसके तहत अपने जन्म दिन पर रोपित पेड़ को राखी बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया एवं इसके जरिए अनूठा संदेश भी दिया। विद्यालय के शिक्षक एवं पर्यावरण संरक्षक सतानंद पाठक ने कहा कि इस अभिनव प्रयास से लोगों में जागरूकता के साथ सामुदायिक भागीदारी की भावना भी विकसित होती है और प्रकृति के प्रति सम्मान एवं प्रेम भाव भी बढ़ता है। विद्यार्थियों के इस प्रयास से युवा पीढ़ी भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित होगी। शिक्षक ने आमजनों से भी पौधरोपण एवं पौधों की सुरक्षा के संकल्प का आह्वान किया है, जिससे हरित पर्यावरण के साथ भावी पीढ़ी का भविष्य भी सुरक्षित हो और पारिस्थितिकी तंत्र बेहतर बने। इस कार्यक्रम में सहायक संचालक नम्रता जैन सहित प्रधानाध्यापिका माया खरे एवं राघवेन्द्र सिंह, देवेन्द्र द्विवेदी व सिद्धार्थ सागर भी उपस्थित रहे।

पिकअप और बाइक की टक्कर में युवक की दर्दनाक मौत, पिकअप वाहन मौके से फरार

पवई थाना क्षेत्र के सिमरा कलां गांव की घटना

हरिभूमि न्यूज, पन्ना।

पवई थाना अंतर्गत ग्राम सिमरा कलां में सोमवार शाम करीब 5 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि हादसे के बाद पिकअप वाहन चालक मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम सिमरा खुर्द निवासी सोनेलाल कुशवाहा पिता लाखन कुशवाहा (उम्र 30 वर्ष) घरेलू कार्य से पवई जा रहा था। जैसे ही वह सिमरा कलां मोड़ पर पहुंचा, तभी पवई से मोहंद्रा की ओर जा रही तेज रफ्तार पिकअप से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसी रास्ते से मोहंद्रा की ओर जा रहे चंचल भारद्वाज ने ग्रामीणों की मदद से घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद पिकअप वाहन चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है। पुलिस ने पिकअप वाहन की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पवई पुलिस ने घटनास्थल पर पहुँचकर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। घटना के बाद गांव में शोक की लहर छा गई है।

त्यौहार के पहले आखिरी मंगल बाजार में सजी रौनक

अमानगंज आगामी त्यौहार को लेकर नगर के अंतिम मंगल बाजार में भारी भीड़ उमड़ी। बाजार में खरीददारों की चहल-पहल से पूरा क्षेत्र गुलजार रहा। किराना,मिठाई, कपड़े, सजावटी सामान, राखी व पूजन सामग्री की दुकानों पर खास रौनक देखने को मिली।बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने उत्साह से खरीदारी की। सुरक्षा व ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर प्रशासन भी मुस्तैद नजर आया। दुकानदारों की माने तो इस बार बिक्री में अच्छी वृद्धि हुई है। बाजार में त्यौहार की खुशबू और रंगत साफ झलकती रही।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय जमड़ा में समय पर नहीं पहुंच रहे शिक्षक, नही समय पर संचालित हो रही क़क्षाएं

शाहनगर।

शाहनगर जनपद के ग्राम जमड़ा में स्थित शासकीय विद्यालय में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि विद्यालय न तो निर्धारित समय पर खुलता है, न ही समय से बंद होता है। साथ ही स्कूल में बच्चों की पढ़ाई भी नियमित रूप से नहीं हो रही है।स्थानीय निवासियों के अनुसार, शिक्षक अक्सर देर से आते हैं या कई बार स्कूल ही बंद रहता है। अभिभावकों का कहना है कि उनके बच्चे स्कूल तो जाते हैं, लेकिन वहां पढ़ाई नहीं होती। इससे बच्चों की पढ़ाई और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।ग्रामीणों ने विकास खंड शिक्षा अधिकारी से इस मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की मांग की है।

इनका कहना है

वहां पर पर्याप्त शिक्षक हैं। इसके बाद समस्या क्यों आ रही हैं। देखना पड़ेगा। कल ही निरिक्षण करवाता हूँ।

अमित श्रीवास्तव, बी आर सी प्रभारी शाहनगर।

एक पेड़ माँ के नामः स्कूली बच्चों और वन विभाग ने मिलकर बोए हरियाली के

पन्ना।

प्रकृति से जुड़ाव तब ही गहरा होता है, जब बचपन से उसका बीज बोया जाए। इसी सोच को साकार करते हुए उत्तर पन्ना वनमंडल अंतर्गत वन परिक्षेत्र धरमपुर की बीट पिष्टा में शासकीय प्राथमिक विद्यालय मझपटिया के बच्चों के साथ वन विभाग ने मिलकर एक पेड़ माँ के नामष अभियान के अंतर्गत एक प्रेरणादायक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर वन परिक्षेत्र अधिकारी वैभव सिंह चंदेल, विद्यालय के शिक्षक भगवान दास पाल, परिक्षेत्र सहायक महीप कुमार रावत, और बीटगार्ड राम खगेश पटेल की उपस्थिति में बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ पौधे रोपे। बच्चों ने पौधों को अपनी माँ के नाम समर्पित करते हुए न केवल उन्हें रोपा, बल्कि यह संकल्प भी लिया कि वे इन पौधों की देखभाल करेंगे और उन्हें पेड़ बनते देखेंगे। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने बच्चों से संवाद कर उन्हें पेड़ों के महत्व, पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता की रक्षा के विषय में सरल भाषा में जानकारी दी। बच्चों ने प्रकृति से जुड़ाव को आत्मीयता से अनुभव किया, और यह कार्यक्रम उनके लिए केवल एक शैक्षणिक गतिविधि न होकर प्रकृति के साथ संबंध स्थापित करने का मधुर अनुभव बन गया। एक पेड़ माँ के नामष अभियान न सिर्फ एक पर्यावरणीय पहल है, बल्कि यह अगली पीढ़ी को प्रकृति के प्रति संवेदनशील नागरिक बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। इस तरह के कार्यक्रम समाज में हरियाली के साथ-साथ जागरूकता और जिम्मेदारी का संचार करते हैं।

श्रावण के अंतिम सोमवार को विभिन्न धार्मिक स्थलों से पहुंचे कांवड़ियों ने सिद्धनाथ पहुंच कर किया भगवान शिव को जल अर्पित

चित्रकूट के संत सीताशरण पहुंचे सिद्धनाथ भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र मिश्रा एवं अपनी शिष्य मंडली के साथ किया पौधारोपण तत्पश्चात भगवान शिव के किये दर्शन

पन्ना।

अगस्त मुनी सिद्धनाथ के शिव मंदिर में श्रावण के अंतिम सोमवार को अमानगंज के निकटतम मढेश्वर धाम सलेहा निकटतम चौमुखनाथ धाम सिद्धनाथ के निकट देवी निरंकार मंदिर एवं पटना तमोली सहित चार कावड़ यात्रा उक्त स्थान से सिद्धनाथ मंदिर पहुंची कांवड़ियों का सिद्धनाथ में में स्वागत किया गया इसके पश्चात कांवड़ियों ने भगवान को जल अर्पित किया धर्मप्रेमियों द्वारा कांवड़ियों को भंडारे का भाव पूर्वक प्रसाद ग्रहण करवाया गया। बड़ी संख्या में श्रावण माह के अंतिम सोमवार को जाने माने संत कथा वाचकों राजनेता अधिकारियों ने भी सिद्धनाथ पहुंचकर भगवान शिव का पूजन किया चित्रकूट के जानकी कुण्ड से सीताशरण महाराज कथावाचकों एवं शिष्य मंडली के साथ सिद्धनाथ पहुंचे जहां पन्ना भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र मिश्रा ने उनका स्वागत किया साथ ही सिद्धनाथ परिसर में पौधरोपण किया इसके पश्चात सीताशरण महाराज ने भगवान शिव का पूजन कर शिष्य मंडली के साथ वार्तालाप किया उनके साथ पहुंचे कथा वाचकों ने भगवान शिव राम के भजनों का गायन किया जिसको श्रोता सुनकर भगवान शिव की भक्ति में मंत्र मुग्ध हो गए पश्चात सीताशरण महाराज एवं कथा वाचकों ने सिद्धनाथ धाम महर्षि अगस्त मुनि एवं शिव महिमा की कथा सुनाई जिसको श्रोताओं ने बड़े भाव पूर्वक श्रावण किया इस मौके पर सिद्धनाथ धाम के संत गुनौर विधायक डॉ राजेश वर्मा की पत्नी पन्ना जिला आरटीओ सतना पन्ना जिले के श्रद्धालुओं सहित कावड़िया मौजूद रहें। अंतिम सोमवार को सिद्धनाथ मे कई लोगों ने भजन कीर्तन किया तो कईयों ने शिव का पूजन कर भंडारे आयोजित किए सुबह से शाम तक शिवालय में श्रद्धालुओं द्वारा भगवान का जला अभिषेक पूजन भजन कीर्तन चलता रहा।

6 अगस्त को गुनौर एवं 13 अगस्त को शाह नगर में रक्तदान शिविर का होगा आयोजन

सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक गुप्ता ने समस्त नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कराने की अपील'

पन्ना।

मध्य प्रदेश के पन्ना जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में इस समय स्थानीय राजनेताओं ,जिम्मेदार अधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपेक्षा के कारण ब्लड बैंक में खून का अभाव बना हुआ है। जिसके कारण जिला अस्पताल में मरीजों को समय पर बदले में खून देने पर भी खून उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इस समस्या के समाधान को लेकर जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ अलोक गुप्ता द्वारा प्रत्येक बुधवार को जिले के अलग अलग गांव कस्बे में रक्तदान शिविर लगाये जा रहे हैं । इसी कड़ी में दिनांक 6 अगस्त 2025 दिन बुधवार को गुनौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है जो की सुबह 10रू30 से लेकर दो बजे तक जारी रहेगा। इसके साथ ही अधिक रक्तदान करने वाले व्यक्तियों की संख्या आने पर देर शाम तक भी रक्तदान शिविर संचालित संचालित रहेगा। जिला अस्पताल पन्ना के सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक गुप्ता एवं प्रभारी रामनाथ ओमरे ने पन्ना जिले के समस्त सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों तथा राजनेताओं एवं समस्त विभागों के अधिकारियों तथा ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता सहायिकाओं से विनम्र आग्रह किया है कि गुनौर में आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक संख्या में लोगों को प्रेरित कर भेजें। ताकि जिला अस्पताल पन्ना के किसी भी मरीज को खून का अभाव ना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दिनांक 13 अगस्त 2025 दिन बुधवार को शाह नगर के अस्पताल में भी विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सभी लोग अपना सहयोग प्रदान करें। सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक गुप्ता ने बताया कि 18 वर्ष से 60 वर्ष तक का वह प्रत्येक व्यक्ति खून दान कर सकता है जिसका वजन कम से कम 45 किलो है, एवं हीमोग्लोबिन की मात्रा 12 पॉइंट प्लस है। सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक गुप्ता ने बताया कि रक्तदान करने से शरीर के लिए काफी लाभ होता है और इससे आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है। जब भी आप रक्तदान करते हैं तो उसमें निशुल्क आपकी जांच होती हैं।

ट्रैक्टर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पन्ना।

गुनौर पुलिस की तत्परता से 24 घंटे के अंदर चोरी गया ट्रैक्टर कीमती करीबन 6 लाख का हुआ बरामद' दिनांक 03/08/25 को फरियादी देव प्रकाश पटेल पिता कल्लू प्रसाद पटेल उम्र 40 साल निवासी कमलपुरा थाना गुनौर ने थाना गुनौर उपस्थित होकर ऐसी रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 02/08/25 की रात को वह अपने घर के बाहर ट्रैक्टर खड़ा करके घर के अंदर सो गया था तभी रात्रि में कोई अज्ञात व्यक्ति ट्रैक्टर चोरी कर ले गया है, फरियादी की सूचना पर थाना गुन्नौर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण गंभीर प्रवृत्ति का होने से थाना प्रभारी गुनौर निरीक्षक सुशील कुमार के द्वारा घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को प्रदान की गई। पन्ना पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती वंदना सिंह, एसडीओपी गुनौर मानसिंह टेकाम के मार्गदर्शन में तत्परता से कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी गुनौर निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार के द्वारा आसपास के थानों पर नाकाबंदी करवाई गई जिसके परिणाम स्वरूप चोरी हुआ ट्रैक्टर मय आरोपी के थाना सलेहा क्षेत्र से बरामद कर लिया गया है। ट्रैक्टर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस के द्वारा गिरफ्तार करके माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां पर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा पर जिला जेल पन्ना भेज दिया गया है । ट्रैक्टर वापस मिलने पर फरियादी के द्वारा पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया है एवं पन्ना पुलिस अधीक्षक के द्वारा उत्साहवर्धन के लिए कर्मचारियों को नगद नाम प्रदाय करने की भी घोषणा की है।

महत्वपूर्ण भूमिका

उपरोक्त समस्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गुनौर निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार, उप निरीक्षक जमुना प्रसाद, उपनिरीक्षक बलवीर सिंह थाना प्रभारी सलेहा, सउनि सुशील तिर्की, सउनि भैयामन सिंह, प्रधान आरक्षक मनीष कश्यप, प्रधान आरक्षक हसन खान कंट्रोल रूम पन्ना, प्रधान आरक्षक प्रहलाद सिंह कंट्रोल रूम पन्ना, आरक्षक अमन कुशवाहा, वाहन चालक आरक्षक बृजेश घोषी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

छत्रसाल महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस का भव्य आयोजन

पन्ना।

जिला पंचायत पन्ना के निर्देशानुसार जिले के अग्रणी महाविद्यालय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ.एस.डी. चतुर्वेदी एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. सचिन गोयल के नेतृत्व में मध्य प्रदेश राज्य आनंद संस्थान द्वारा आनंद से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाने संबंधी अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस का आयोजन महाविद्यालय कला भवन के मुख्य हाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं सरस्वती वंदना द्वारा किया गया। तत्पश्चात उपस्थित सभी अतिथियों एवं गुरुओं का तिलक वंदन द्वारा स्वागत किया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ सचिन गोयल ने विषय प्रवर्तन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ मित्र दिवस एक हृदयस्पर्शी वार्षिक उत्सव है जो हमारे सबसे करीबी दोस्तों के साथ हमारे सार्थक और सहयोगी संबंधों का जश्न मनाता है । हर साल 30 जुलाई को मनाया जाने वाला यह दिन लोगों को अपने सबसे अच्छे दोस्तों की सराहना करने, कृतज्ञता व्यक्त करने और फिर से जुड़ने के लिए समय निकालने के लिए प्रोत्साहित करता है। महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ बी एन जायसवाल ने अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस पर अपने विचार रखते हुए कहा कि फ्रेंडशिप डे का विचार हॉलमार्क काड्र्स के संस्थापक जॉयस हॉल ने वर्ष 1930 में दिया था। इससे पहले, 2 अगस्त को फ्रेंडशिप डे मनाने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसमें फ्रेंडशिप डे के उपहार, ग्रीटिंग कार्ड और अन्य वस्तुएं भेजकर इसे छुट्टी के उत्सव के रूप में मनाया जाता था।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस.डी.चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस का महत्व समझाते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2011 में अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस की घोषणा इस विचार के साथ की गई थी कि लोगों, देशों, संस्कृतियों और व्यक्तियों के बीच मैत्री शांति प्रयासों को प्रेरित कर सकती है और समुदायों के बीच सेतु का निर्माण कर सकती है। फ्रेंड्शिप डे हमें अपने दोस्तों के प्रति आभार व्यक्त करने और उनके साथ बिताए पलों को संजोने का अवसर देता है। यह दिन न केवल व्यक्तिगत रिश्तों को मजबूत करता है, बल्कि सामाजिक एकता, समावेशिता और सांस्कृतिक विविधता को भी बढ़ावा देता है. मनोवैज्ञानिक रूप से, दोस्ती तनाव, अकेलापन और चिंता को कम करती है। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका परिणाम प्रकोष्ठ संयोजक डॉ सचिन गोयल द्वारा घोषित करते हुए उषा अहिरवार बीए प्रथम वर्ष प्रथम स्थान, नेहा गौड़ द्वितीय स्थान एवं को प्रियंका कोरी बीएससी तृतीय स्थान प्रदान किया गया। इसी प्रकार अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस पर ऑनलाइन पर आधारित गीत एवं कविता का वाचन भी विद्यार्थियों द्वारा किया गया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ पीयूषा शर्मा अतिथि विद्वान राजनीतिशास्त्र द्वारा एवं आभार प्रदर्शन भारतीय ज्ञान परंपरा के सहसंयोजक श्री शुभम पाठक सहायक प्राध्यापक संस्कृत द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान द्वारा किया गया।

खबर संक्षेप

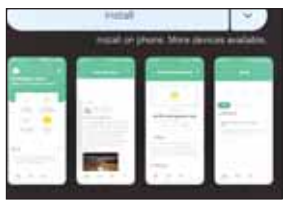

छतरपुर नगर पालिका ने लॉन्च किया स्वच्छता अलार्म ऐप

छतरपुर। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए छतरपुर नगर पालिका ने एक अनूठी पहल शुरू की है। नदअसल नगर पालिका ने स्वच्छता के लिए अलार्म बजने वाला मोबाइल ऐप लॉन्च किया है और ऐसी पहल करने वाली देश में पहली बार नगर पालिका बन गई है। इसका उद्देश्य नागरिकों को कचरा प्रबंधन में सहूलियत प्रदान करना है। नगर पालिका परिषद की मुख्य नगर पालिका अधिकारी माधुरी शर्मा ने बताया कि स्वच्छ नगर छतरपुर नामक मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है। इस ऐप की खासियत यह है कि जैसे ही स्वच्छता वाहन आपके घर के पास पहुंचेगा वैसे ही आपके मोबाइल पर अलार्म बजेगा और आप समय पर कचरे को कचरा वाहन में डाल सकेंगे। उन्होंने बताया कि यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर स्वच्छ नगर छतरपुर सर्च करके डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अलावा, नगर पालिका द्वारा जारी क्यूआर कोड को स्कैन करके भी इसे इंस्टॉल किया जा सकता है। सीएमओ ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देना है।

रिक्शा चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, सीसीटीवी से मिला सुराग

छतरपुर। बरेठी निवासी रामदीन यादव, जो इन दिनों छत्रसाननगर में रह रहे हैं, 23 जुलाई 2025 को जिला अस्पताल खाना देने गए थे। जब वे वापस लौटे तो उनका रिक्शा मौके से गायब था। इसकी शिकायत रामदीन ने सिटी कोतवाली में दर्ज कराई। थाना प्रभारी अरविंद दांगी ने बताया कि पुलिस ने तत्काल सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू की और आरोपी की पहचान अजय अहिरवार, निवासी बगौता के रूप में की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर रिक्शा भी बरामद कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित किया कार्यक्रम

छतरपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा बक्सवाहा के ग्राम बीरमपुरा में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत ग्राम वासियों के लिए एक प्रेरणादाई कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर छतरपुर विश्वनाथ सेवा केंद्र प्रभारी बीके रमा ने कहा कि नशा केवल शरीर ही नहीं, आत्मा को भी कमजोर करता है। इससे व्यक्ति का जीवन, परिवार और समाज तीनों प्रभावित होते हैं। उन्होंने सभी को नशा मुक्त जीवन की प्रतिज्ञा कराई और सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। बीके पूनम ने राजयोग ध्यान के माध्यम से मन को शांत व सशक्त बनाने के तरीके बताए। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नशा छोडने की प्रतिज्ञा ली। इस अभियान के माध्यम से संस्था का उद्देश्य है कि भारत को नशा मुक्त बनाकर एक स्वस्थ, सुखी और नैतिक समाज की स्थापना की जा सके।

किराए के लाइसेंस पर चल रहे मेडीकल स्टोर, नहीं है फार्मासिस्ट

जिले में झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिक संचालित होने के साथ साथ किराए के लाइसेंस पर मेडीकल स्टोर भी संचालित हो रहे है। अधिकांश मेडीकल स्टोर किराए के लाइसेंस पर चलते है और उनके पास कोई फार्मासिस्ट भी नहीं है। लेकिन धडल्ले से दवाईंया बेची जा रही है।

हरिभूमि न्यूज, छतरपुर।

ड्रग इंस्पेक्टर इन कतिपय मेडीकल संचालकों पर मेहरबान है उनका फीलगुड हर माह ऐसे मेडीकल संचालकों से होता है। जिससे किसी की जांच नही होती है यहां तक देखा जा रहा है। कुछ नाबालिग बच्चे भी बच्चे मेडीकल स्टोरों पर पूरे दिन दवाई बेचने का काम करतें है जबकि यह नाबालिग बच्चे मुस्किल से आठवीं या दसबीं पास होते है। फिर भी डॉक्टर द्वारा लिखे पर्चो पर धडल्ले से मरीजों को दवाईंया दे रहें है। बैसे भी शहर में गली गली में मेडीकल स्टोर खुले हुए है। कुछ प्रतिष्ठित मेडीकल स्टोर को छोड़कर सभी मेडीकल स्टोर किराए के लाइसेंस पर संचालित हो रहें है जिन लोगों ने फार्मासिस्ट की डिग्री प्राप्त कर रखी है और मेडीकल खोलने का लाइसेंस प्राप्त कर रखा है। उन लोगों द्वारा अपना मेडीकल लाइसेंस 50 हजार से लेकर 1 लाख रूपए सालाना में किराए पर दे दिया गया है। यदि प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग एवं ड्रग इंस्पेक्टर के माध्यम से शहर में संचालित नए नए मेडीकल स्टोरों की जांच कराई जाए, तो किराए के लाइसेंस पर चल रहें मेडीकल स्टोरों का खुलासा हो जाएगा। लेकिन जांच कौन करे यदि जांच की जाएगी तो हर माह का फीलगुड बंद हो जाएगा। ऐसा नहीं है कि ड्रग इस्पेक्टर और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में जानकारी नही है। उन्हें सब पता है कि कौन मेडीकल स्टोर किराए के लाइसेंस पर चल रहा और कौन मेडीकल स्टोर फार्मासिस्ट चला रहा है। स्वास्थ्य विभाग के कुछ कर्मचारियों ने बताया कि इनकी भी मजबूरी यह है कि यदि कार्यवाही की जाती है तो हर माह का फीलगुड बंद हो जाएगा कई मेडीकल स्टोर शासन द्वारा निर्धारित मापदडं को पूरा भी नही कर रहें है। क्योंकि उनके पास प्रर्याप्त जगह मेडीकल स्टोर खोलने के लिए नही है फिर भी ड्रग इस्पेक्टर द्वारा निरीक्षण करने के बाद उन्हें लाइसेंस देने के लिए हरी झण्डी दे दी जाती है। ऐसा खेल लम्बे समय से चल रहा है नाबालिगों के माध्यम से मेडीकल स्टोर में दवाई बिकवाना खतरें से खाली नही है फिर भी जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए है।

नशीली दवाओं से होती लाखों की कमाई

शासन द्वारा खासकर स्वास्थ्य विभाग ने कुछ दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस प्रतिबंध के बाद इन दवाओं को मेडीकल स्टोरों पर नहीं बिकना चाहिए लेकिन युवा पीढी को नशे की ओर धकेलने और अबैध कमाई के चक्कर में कई मेडीकल स्टोरों में नशीली दवाएं बिक रही है। जिसका उपयोग युवा पीढी के लोग नशे के लिए कर रहें है पुलिस अधीक्षक द्वारा नशे से दूरी अभियान चलाया जा रहा है लेकिन कतिपय मेडीकल संचालक पुलिस अधीक्षक के इस अभियान को धता बता रहें है और युवाओं को खुलेआम दुगनी कीमत पर नशीली और प्रतिबंधित दवाएं बेच रहें है। जिन मेडीकल स्टोरों में नशीली और प्रतिबंधित दवाएं बिक रही है उन मेडीकल स्टोरों में शाम के समय युवा पीढी के लोगों की भीड़ देखी जा सकती है। नशीली और प्रतिबंधित दवाएं बेचने वाले मेडीकल स्टोरों में कोड बताने पर नशीली चीजें उपलब्ध करा दी जाती है। कोड शब्द का उपयोग करने पर मेडीकल स्टोर मे उपस्थित अन्य लोग कुछ समझ भी नही पाते और युवाओं को नशीली दबा मिल भी जाती है। बस इतना है कि दोगुना रेट बसूला जाता है। ऐसे में मेडीकल स्टोर संचालकों की लाखों की कमाई हो रही है और युवा पीढी बर्वादी की कगार पर पहुंच रही है।

कुछ एमआर ने बताया कि यूपी से बिकने आ रही दवाएं

सूत्रों(एमआर) से पता चला है कि कुछ प्राइवेट लोग भी मेडीकल से संबंधित दवाए बेचने का काम कर रहें है और यह लोग यूपी से सस्ते दामों पर दवाएं लाते है और छतरपुर में चोरी छिपे इसका कारोबार करतें है। यह भी चर्चा है कि महोबा जिले के बेलाताल में खुलेआम सस्ते दरों पर दवाएं बेचने का कारोबार किया जा रहा है। और छतरपुर के कुछ लोग जो मेडीकल व्यवसाय से चोरी छूपे जूड़े हुए है। वह दवाएं लाकर शहर में सप्लाई कर रहें है। हनुमान टौरिया के पीछे एक मेडीकल स्टोर में इस तरह की दवाएं बेची जा रही है इसी तरह देरी रोड़ और सटई रोड़ में भी मेडीकल स्टोर की आड़ में कुछ लोग दवाओं का अबैध कारोबार संचालित कर रहें है।

प्राथमिक शाला के संविलियन का ग्रामीणों ने किया विरोध

जनसुनवाई में आवेदन देकर बच्चों की शिक्षा पर जाहिर की चिंता

छतरपुर।

जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम पलौठा के ग्रामीणों ने शासकीय प्राथमिक शाला के संविलियन के खिलाफ आवाज उठाई है। मंगलवार को जिला मुख्यालय की जनसुनवाई में उन्होंने आवेदन देकर मांग की कि गांव के स्कूल का संविलियन संदीपनी विद्यालय में न किया जाए, क्योंकि इससे बच्चों को स्कूल जाने में भारी परेशानी होगी और उनकी शिक्षा प्रभावित होगी।ग्राम पलौठा के सिराज खान सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि गांव की शासकीय प्राथमिक शाला का संविलियन, संदीपनी विद्यालय (सीएम राईज) में करने की योजना है। संविलियन होने से स्कूल की दूरी गांव से लगभग सात किलोमीटर हो जाएगी और छोटे बच्चों को स्कूल पहुंचने में कठिनाई होगी। गांव में ज्यादातर किसान और मजदूर वर्ग के लोग रहते हैं, जो अपने काम-धंधे छोड़कर बच्चों को इतनी दूर स्कूल नहीं ले जा पाएंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि प्राथमिक शाला का संविलियन रोका जाए और इसे गांव में ही यथावत रखा जाए, ताकि छोटे बच्चों की शिक्षा पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न हो।

सड़कों पर बैठ रहा आवारा गौवंश, युवाओं ने जनसुनवाई में की शिकायत

अतिक्रमण की चपेट में हैं गौशालाएं और गौचर भूमि

छतरपुर।

जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले की सड़कों पर इन दिनों आवारा गौवंश बैठ रहा है, जिसके चलते आए दिन हादसे की खबरें सामने आ रही हैं। गौवंश के लिए जिले में बनाई गई गौशालाओं और आवंटित की गई गौचर भूमियों पर अवैध कब्जे कर लिए गए हैं, जिससे आक्रोशित युवाओं ने मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन दिया।

आवेदन देने पहुंचे युवा सुधीर पांडे ने बताया कि सरकार ने गौवंश की सुरक्षा के लिए गौशालाएं बनाईं हैं और गौचर भूमि आवंटित की है लेकिन इनका कोई सकारात्मक परिणाम नहीं दिख रहा। गौशालाओं और गौचर भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया गया है, जिसके कारण बेसहारा गौवंश सड़कों पर घूम रहा है। सड़कों पर बैठे गौवंश के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं, जिनमें न केवल गौवंश बल्कि लोग भी घायल हो रहे हैं और कुछ की जान भी जा रही है। युवाओं ने जिला प्रशासन से मांग की कि गौशालाओं को कब्जामुक्त कर गौवंश को वहां स्थानांतरित किया जाए और गौचर भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए तत्काल कार्रवाई की जाए।

सामने आए राजस्व और अतिक्रमण के मामले, त्वरित निराकरण के निर्देश

कलेक्टर ने नौगांव में सुनीं जनता की समस्याएं

नौगांव।

नगर में तहसील स्तर पर पहली बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अनूठी पहल के तहत राजस्व, पुलिस और अतिक्रमण से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया, जबकि जनसुनवाई के बाद वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक कलेक्टर पार्थ जैसवाल द्वारा हर मंगलवार को जिले की अलग-अलग तहसीलों में की जा रही जनसुनवाई की पहल के तहत नौगांव के कृषि विज्ञान केंद्र हॉल में तहसील स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। उनके साथ जिला पंचायत सीईओ तपस्या सिंह परिहार, जिला शिक्षा अधिकारी आरपी प्रजापति, नौगांव एसडीएम बृजभान पटेल, तहसीलदार पीयूष दीक्षित, नौगांव सीएमओ आरएस अस्वास्थी, नौगांव एसडीओपी अमित मेश्राम सहित अन्य विभागों के अधिकारी और तहसील स्तर के कर्मचारी मौजूद रहे। जनसुनवाई दोपहर 12 बजे शुरू हुई और लगभग 2 बजे तक चली, जिसमें आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे। कुल 185 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें सबसे अधिक राजस्व से संबंधित मामले थे, इसके अलावा कुछ पुलिस और अतिक्रमण से जुड़े मामले भी सामने आए। ग्राम लहादरा के दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने गोचर जमीन पर अतिक्रमण की शिकायत दोहराई, आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली जनसुनवाई में तहसीलदार को आवेदन देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। कलेक्टर ने तहसीलदार को तत्काल जांच और कार्रवाई का आदेश दिया। जनसुनवाई के बाद कलेक्टर और अधिकारियों ने कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

पूर्व विधायक ने सौंपा जनसमस्याओं का ज्ञापन

तहसील स्तरीय जनसुनवाई के दौरान महाराजपुर के पूर्व कांग्रेसी विधायक नीरज दीक्षित ने भी कलेक्टर को जनसमस्याओं पर आधारित सात बिंदुओं का ज्ञापन सौंपा। उक्त ज्ञापन में पूर्व विधायक श्री दीक्षित ने पिछले दिनों हुई अत्यधिक बारिश से किसानों को हुए व्यापक नुकसान का सर्वे कराने, स्मार्ट मीटर के कारण हो रही समस्याओं का समाधान कराए जाने, जनपद में भारी भ्रष्टाचार किए जाने जैसे मुद्दे उठाकर कलेक्टर को विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर ने उनका ज्ञापन स्वीकार कर निराकरण करने का आश्वासन दिया।

दो चोर गिरफ्तार, डेढ़ लाख से अधिक की संपत्ति बरामद

चोरी की तीन घटनाओं का हुआ खुलासा

छतरपुर।

शहर में पिछले दिनों हुईं चोरी की तीन घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो चोरों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई की है। चोरों के कब्जे से एक लाख रुपये नकद, चांदी के आभूषण और सिलेंडर सहित डेढ़ लाख रुपये से अधिक की संपत्ति बरामद की गई है।

सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि थाना क्षेत्र के नरसिंहगढ़ पुरवा, चौबे कॉलोनी और लोकनाथपुरम में हुई चोरी की घटनाओं के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत मामले दर्ज किए थे। विवेचना के दौरान पुलिस ने पिछले दिनों चक्षु अभियान के तहत लगाए गए सीसीटीवी कैमरों का फुटेज निकाला और इसीकी मदद से पुलिस चोरों तक पहुंची। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने नरसिंहगढ़ पुरवा और लोकनाथ पुरम में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपी मुन्नू उर्फ अरुण पुत्र नारायण दास नामदेव निवासी जमुनिया पुलिया सागर रोड छतरपुर को गिरफ्तार किया। उसके पास से चांदी के आभूषण, मंदिर से चोरी किया गया एलपीजी सिलेंडर सहित नकद पैसे बरामद हुए। इसी तरह चौबे कॉलोनी में चोरी करने वाले आरोपी अंशुल पुत्र बृजकिशोर भारद्वाज निवासी ग्राम महेबा को भी पकड़ा गया जिसके पास से करीब 1 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति बरामद की गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक आरोपी मुन्नू नामदेव छतरपुर और टीकमगढ़ जिले के विभिन्न थानों में दर्ज चोरी के नौ अपराधों में पहले से संलिप्त है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

छतरपुर जेल में बंदियों से मुलाकात के लिए प्रशासन ने की खास व्यवस्था

रक्षाबंधन पर छतरपुर जेल में बंधेगा स्नेह का बंधन

छतरपुर।

आगामी रक्षाबंधन के पर्व पर जिला जेल में बंदियों को उनके परिजनों से मिलने का अवसर प्रदान करने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। इस मौके पर महिला परिजनों और बच्चों को पुरुष बंदियों से मिलने की अनुमति होगी, जबकि महिला बंदियों के भाइयों को भी निर्धारित समय में मुलाकात का मौका मिलेगा। जेल प्रशासन ने सुचारू संचालन के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनका पालन अनिवार्य होगा।

छतरपुर जिला जेल अधीक्षक दिलीप सिंह ने बताया कि रक्षाबंधन पर बंदियों के परिजनों को उनसे मुलाकात की सुविधा दी जाएगी, भले ही इस दिन शासकीय अवकाश हो। पुरुष बंदियों से मुलाकात और राखी बांधने के लिए केवल परिवार की महिला सदस्यों और 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक जेल गेट के अंदर प्रवेश की अनुमति होगी। महिला बंदियों के भाइयों को दोपहर 3 बजे के बाद मुलाकात का समय दिया जाएगा। प्रत्येक बंदी से मुलाकात का समय अधिकतम 10 मिनट निर्धारित किया गया है और इस समय के बाद परिजनों को जेल से बाहर निकलना होगा।

क्या लाएं और क्या नहीं...? -

श्री सिंह ने बताया कि परिजनों को अपनी पहचान के लिए आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, राशन कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस में से कोई एक दस्तावेज साथ लाना होगा। कीमती सामान जैसे पर्स, मोबाइल आदि को जेल गेट के बाहर परिजनों को सौंपना होगा, और इनके खो जाने की स्थिति में जेल प्रशासन जिम्मेदार नहीं होगा। पके हुए भोजन की अनुमति नहीं होगी, लेकिन मौसमी फल और जेल कैंटीन से खरीदी गई पैक की गई मिठाई अंदर ले जाई जा सकेगी। नारियल पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। जेल प्रशासन पूजा की थाली उपलब्ध कराएगा, लेकिन परिजनों से राखी, रूमाल, चंदन और कुमकुम साथ लाने का अनुरोध किया गया है। एक बंदी से मिलने वाले सभी परिजनों को एक साथ बाहर एकत्र होना होगा, और बार-बार एक ही बंदी को मुलाकात के लिए नहीं बुलाया जाएगा। नकद पैसे देना या लेना और तंबाकू, बीड़ी, गुटका, चरस जैसे मादक पदार्थ लाना सख्त मना है। जेल अधीक्षक ने परिजनों से तलाशी में सहयोग करने और किसी भी विवादित स्थिति से बचने की अपील की है, अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, परिजनों को अपने वाहन जेल गेट के सामने खड़े नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि त्योहार का उत्साह और आनंद बना रहे।

नाले में बाइक सहित बहे वन चौकीदार का दो दिन बाद मिला शव

किशनगढ़ पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने की तलाश

बिजावर।

किशनगढ़ वन परिक्षेत्र में दो दिन पहले वन विभाग का का चौकीदार तेज बहाव वाले नाले में अपनी बाइक सहित बह गया था। दो दिन की कठिन तलाश के बाद मंगलवार को आखिरकार उसका शव बरामद हुआ, जिसे पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। शव की तलाश में किशनगढ़ पुलिस, वन विभाग और एसडीआरएफ की टीम ने दिन-रात मेहनत की।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक रविवार की देर शाम को किशनगढ़ वन परिक्षेत्र के गहरी घाट में तैनात चौकीदार रघुवीर पुत्र जहान सिंह, उम्र 30 वर्ष, निवासी ककरा नरोली अपनी बाइक से ड्यूटी के लिए जा रहा था। उसके साथ दशरथ नामक व्यक्ति भी था, जो पटोरी गांव के पास बुडेना नाले में तेज बहाव देखकर बाइक से उतर गया। जब रघुवीर ने नाले को पार करने की कोशिश की, तभी तेज धारा में वह बाइक सहित खाई में बह गया। सूचना मिलते ही किशनगढ़ थाना प्रभारी और पुलिस दल मौके पर पहुंचे। सोमवार सुबह वन विभाग की टीम, एसडीआरएफ और स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर तलाश शुरू की, लेकिन उस दिन न तो रघुवीर का पता चला और न ही उसकी बाइक बरामद हुई। लगातार बचाव कार्य में जुटी किशनगढ़ पुलिस, वन विभाग और एसडीआरएफ की टीम ने मंगलवार सुबह लगभग 7 बजे रघुवीर का शव नाले में तैरता हुआ पाया। किशनगढ़ थाना प्रभारी और पुलिस बल की मौजूदगी में शव का पंचनामा तैयार किया गया और उसे पोस्टमार्टम के लिए बिजावर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने निर्माणाधीन सेंट्रल लाइब्रेरी भवन का किया निरीक्षण

रीवा । कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सेंट्रल लाइब्रेरी के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया तथा अब तक की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्देश दिये कि सितंबर माह तक कार्य पूर्ण करायें ताकि अक्टूबर से सेंट्रल लाइब्रेरी का विधिवत नवीन भवन में संचालन प्रारंभ हो सके। उल्लेखनीय है कि 2 करोड़ 46 लाख रूपये की लागत से बनाये जा रहे सेंट्रल लाइब्रेरी भवन में 160 पाठकों के बैठकों की व्यवस्था रहेगी तथा बुक सेल्फ सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराई जायेगी। कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि लाइब्रेरी भवन के सामने लान बनायें तथा उसमें बेंच या कुर्सी की व्यवस्था करायें साथ ही किनारे के रिक्त स्थल में वरिष्ठ पाठकों के लिये लान बनाकर कुर्सी व बेंच की व्यवस्था करें। निरीक्षण के दौरान सहायक यंत्री हाउसिंग बोर्ड हिमांशु वर्मा एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कमिश्नर रीवा की अनूठी पहल पर्यावरण और स्वास्थ्य रक्षा के लिए एक दिन साइकिल

कमिश्नर तथा अधिकारी-कर्मचारी साइकिल से पहुंचे कार्यालय

रीवा । रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जनोन्मुखी बनाने के लिए लगातार कई नवाचार कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण, ईंधन की बचत और आमजन को स्वास्थ्य रक्षा का संदेश देने के लिए संभाग के सभी जिलों में मंगलवार को सुमंगल साइकिल अभियान शुरू किया गया है। अभियान के पहले दिन कमिश्नर तथा सभी वरिष्ठ अधिकारी और अधिकतर कर्मचारी साइकिल से कार्यालय पहुंचे। जो व्यक्ति आयु अथवा स्वास्थ्य के कारण साइकिल चलाने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं उन्हें ई स्कूटी, ई रिक्शा और पैदल कुछ दूर चलकर वैकल्पिक वाहन से कार्यालय आ सकते हैं। अभियान के पहले दिन अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी साइकिल से ही कार्यालय पहुंचे। सभी संभागीय अधिकारी कमिश्नर आवास में एकत्रित होकर

कमिश्नर श्री जामोद के नेतृत्व में साइकिल चलाते हुए कमिश्नर कार्यालय पहुंचे और साप्ताहिक समीक्षा बैठक में शामिल हुए। साइकिल चलाने में महिला अधिकारियों ने भी सहभागिता निभाई। संभाग के साथ-साथ सभी जिलों में भी कलेक्टर तथा जिला स्तरीय अधिकारी साइकिल से कार्यालय पहुंचे। इस संबंध में कमिश्नर जामोद ने कहा कि मंगलवार के दिन को साइकिल डे के रूप में चुना गया है। संभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से स्वैच्छिक रूप से साइकिल से कार्यालय आने का निर्देश दिए गये है। विभिन्न संगठनों तथा आमजनता से भी सप्ताह में एक दिन बड़े सवारी वाहनों को छोड़कर साइकिल का उपयोग करने का आह्वान किया गया है। इसके माध्यम से एक ओर जहाँ पर्यावरण और ऊर्जा का संरक्षण होगा वहीं दूसरी ओर साइकिल चलाने से लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। हम सबने बचपन और युवावस्था में साइकिल का खूब उपयोग किया है। अब छोटी सी दूरी के लिए भी हम वाहन का उपयोग करने लगे हैं। इस आदत को छोड़कर हम सब जहाँ तक संभव हो वहाँ साइकिल का उपयोग करें। साइकिल चलाना डॉक्टरों के अनुसार सबसे अच्छा व्यायाम है। साइकिल से कार्यालय आने के अनुभव को साझा करते हुए जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने कहा कि अधिकारियों के साथ साइकिल चलाकर सामूहिकता की अनुभूति होती है। हमें अंदर से महसूस होता है कि हम ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण में उच्च योगदान दे रहे हैं। सुमंगल साइकिल दिवस अभियान प्रधानमंत्री जी के फिट इंडिया कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाने में सहायक होगा। डिप्टी कमिश्नर श्रेयस गोखले ने कहा कि मंगलवार का दिन जनसुनवाई का दिन है। जब हम साइकिल से कार्यालय आते हैं तो हमारा माइंडसेट बदल जाता है। अब आमजनता से अधिक जुड़ाव महसूस हो रहा है। यह भी सुशासन का एक रूप है। सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, संभागीय प्रबंधक मार्कफेड नेहा पीयूष तिवारी, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे तथा अन्य अधिकारियों ने भी साइकिल से कार्यालय आने के अनुभव साझा किए।

बारिश के बाद अजगर पहुंचा रिहायशी इलाके में, खेत में बिल्ली को निगला

रीवा। लगातार हो रही बारिश के चलते जंगलों में रहने वाले जीव-जंतु अब भोजन और सुरक्षित ठिकाने की तलाश में इंसानी बस्तियों की ओर रुख कर रहे हैं। रीवा जिले के त्यौंथर क्षेत्र अंतर्गत टिकुरी गांव में ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक विशालकाय अजगर ने खेत में घूम रही एक बिल्ली को निगल लिया। यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, टिकुरी गांव निवासी किसान अरुण सिंह अपने खेत में काम कर रहे थे, तभी उन्हें पास की झाड़ियों से सरसराहट की आवाज सुनाई दी। जब वह पास जाकर देखने लगे तो उन्हें एक बड़ा अजगर बेसुध अवस्था में पड़ा मिला। पास जाकर देखने पर पता चला कि अजगर ने एक बिल्ली को निगल लिया था। निगलने के कुछ देर बाद ही बिल्ली की मौत हो गई, लेकिन अजगर उसे पचा नहीं पाया और कुछ ही समय बाद उसने बिल्ली को उल्टी कर पेट से बाहर निकाल दिया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए। कुछ ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाते हुए अजगर का रेस्क्यू किया और उसे एक बोरी में डालकर पास के जंगल में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया। ग्रामीणों ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया, जो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अजगर ने बिल्ली को पूरी तरह निगल लिया है और बाद में उसे बाहर निकाल देता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है, जिससे जंगलों में रहने वाले जीवों के प्राकृतिक आवास जलमग्न हो गए हैं। भोजन और गर्मी की तलाश में ये जानवर अब मानव बस्तियों की ओर भटकने लगे हैं।

जनसुनवाई में 64 आवेदकों की सुनी गई समस्यायें

रीवा । कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी एवं संयुक्त कलेक्टर राजेश सिन्हा ने 64 आवेदन की समस्यायें सुनीं तथा संबंधित आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया।जनसुनवाई में मध्येपुर के निवासियों ने शासकीय भूमि एवं शासकीय हैण्डपंप को अतिक्रमण मुक्त करने का आवेदन दिया जिसे बनकुंइया सर्किल के नायब तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजा गया। रमपुरवा निवासी अमेशिया, बुडवा निवासी रामाधार, गोविंदगढ़ निवासी मुद्रिका प्रसाद बहेलिया के सीमांकन के आवेदनों में संबंधित तहसीलदारों को कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया। इसी प्रकार मदनलाल रजक निवासी बहेरा के नक्शा तरमीम को कम्प्यूटर में दर्ज करने एवं राजेन्द्र सिंह जोड़ावपुर निवासी के खसरा सुधार के आवेदनों में संबंधित एसडीएम को कार्यवाही करने के लिये प्रेषित किया गया। लोही निवासी लालमणि तिवारी के सड़क का मुआवजा दिलाये जाने के आवेदन को एसडीएम हुजूर को, गया प्रसाद साकेत घोपी निवासी के फर्जी ऋण पुस्तिका की जांच कराने के आवेदन को एसडीएम मनगवां को तथा आशीषाचार्य अमवा निवासी के जर्जर भवन को गिराने के आवेदन एसडीएम हुजूर को कार्यवाही के लिये प्रेषित किया गया। इसी प्रकार कुसुम पाण्डेय निवासी पुष्पराज नगर ने अवैध कब्जा हटाने का आवेदन दिया जिसे तहसीलदार हुजूर को, चन्द्रशेखर विश्वकर्मा मझियारी निवासी के सत्यापित नकल प्रदाय करने के आवेदन को नकल शाखा को तथा रायपुर सोनौरी निवासी संकटमोचन गौतम के अवैध बाड़ी को हटाने के आवेदन को नायब तहसीलदार रायपुर सोनौरी को कार्यवाही करने के लिये प्रेषित किया गया। कुठुलिया निवासी मोतीमणि के संबल से सहायता राशि दिलाये जाने तथा बरा निवासी राजेश सिंह के आम रास्ता से अतिक्रमण हटाने के आवेदनों पर नगर निगम द्वारा कार्यवाही किये जाने हेतु प्रेषित किया गया।

प्रशासन के आदेश की अनदेखी

सरकार के ई पंचायत का सपना अधूरा, पंचायतों के नहीं खुलते ताले

मऊगंज। आज आधुनिक युग में सभी कार्य डिजिटल हो जिसके लिए शासन स्तर पर ग्रामीण सेवा को बेहतर बनाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर लोगों के काम हो जिसके लिए ई पंचायत की व्यवस्था की गई है। पंचायत स्तर पर ई पंचायत संबंधी सभी सिस्टम प्रदान किए गए हैं। लेकिन जमीनी हालात देखे जाए तो सरकार का ई पंचायतगांव जैसा सपना सरकार नहीं हो पा रहा है जिसका सबसे बड़ा कारण यह देखा जा रहा है कि अधिकतर ग्राम पंचायतों में पंचायत संबंधी कार्य होना तो दूर पंचायत भवनों के नियमित ताले तक नहीं खुलते। सरकार के मसानुसार क्षेत्र में निवास करने वाली ग्रामीण जनता को जनपद कार्यालयों का चक्कर न काटना पड़े इसके लिए शासन ने सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन का निर्माण कराया है। पंचायत को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित करने के लिए प्रति पंचायत भवन पर कई लाख रुपए की तकनीकी सामग्रियों के नाम पर खर्च किए गए हैं। सभी पंचायत में ग्राम पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक की नियुक्ति की गई है लेकिन इसका लाभ आम लोगों को सुचारू रूप से नहीं मिल पा रहा है। आलम यह है कि अधिकतर पंचायत भवनों में ताले लटकते देखे जाते हैं। हकीकत देखी जाए तो या ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिवों के झोले में सील एवं रजिस्टर होते है या फिर ग्राम पंचायत में रहने वाली अधिकतर आवश्यक सामग्री इन जिम्मेदारों के घरों की शोभा बढ़ा रही है।

पंचायती राज व्यवस्था के तहत सरकार की मंशा है कि पंचायत भवन को मिनी सचिवालय के रूप में विकसित करना है जहां ग्रामीणों की फरियाद सुनकर उनकी समस्याएं दूर की जा सकें। लेकिन सरकार द्वारा की गई इतनी बड़ी व्यवस्था के बाद भी पंचायत भवनों की स्थिति यथावत है। गांव का भ्रमण करने पर चौंकाने वाली सच्चाई सामने नजर आती है।जहां से विकास विभाग की योजनाएं चलती हैं वहीं के पंचायत भवनों में न केवल ताला लटकता नजर आता है बल्कि कई पंचायत भवनों के परिसर प्रत्यक्ष रूप से जाहिर होता नजर आता है कि इन ग्राम पंचायतों के ताले कभी कभार विशेष अवसरों पर ही खुलते हैं। कई ग्राम पंचायतों के परिसर में खर-पतवार एवं घास उगी हुई देखी जा सकती है। *जनपद पंचायत में आदेशों का नहीं होता पालन*सरकार द्वारा जारी निर्देश के बाद भी ग्राम पंचायतों में पदस्थ जिम्मेदारों की मनमानी से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिले में कई ऐसी ग्राम पंचायत हैं जिनके पंचायत भवनों का ताला ही नहीं खुलता। क्षेत्र की अधिकतर ग्राम पंचायतों के हाल इसी तरह है जहां विशेष अवसरों को यदि छोड़ दिया जाए तो गांव की सरकार ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव के घर से संचालित होती है। ग्रामीणों ने चर्चा के दौरान बताया कि पंचायत भवन आए दिन बंद रहते है जिसके कारण छोटे-छोटे कार्यों के लिए उन्हें भटकना पड़ता है। पंचायती राज व्यवस्था में जहां जिला पंचायत जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत को नियमित शासकीय अवकाश को छोड़कर कार्यालय खोलने का प्रावधान है प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत स्तर के अनेक कार्य संचालित होते हैं। पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत का लेखा-जोखा तैयार करना और ग्राम स्तर पर ही निपटारा करना होता है इसके अलावा परिवार रजिस्टर की नकल जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करवाना, जॉब कार्ड के अलावा अन्य कई कार्य करना होता है। लेकिन शासन के मंसानुसार नियमित ग्राम पंचायतों के न खुलने के कारण ग्रामीण जनता को ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव के घर या फिर जनपद कार्यालय भटकना पड़ता है।

ग्राम पंचायत भवनों से ई सेवा सामग्री गायब

शासन द्वारा पंचायती राज व्यवस्था को जमीनी रूप देने एवं पंचायत स्तर के सभी कार्य पंचायत कार्यालय में करने तथा आधुनिक तकनीक की व्यवस्था के साथ सभी कार्यों के संपादन हेतु बड़ी रकम खर्च कर हर पंचायत में एलईडी एवं कंप्यूटर सिस्टम आदि सामग्री की व्यवस्था की गई है। लेकिन देखा यह जा रहा है कि यदि कुछ गिनी चुनी ग्राम पंचायत को यदि छोड़ दिया जाए तो आज की स्थिति में 80 फ़ीसदी ग्राम पंचायतों के एलईडी एवं कंप्यूटर सिस्टम ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिवों के घरों की शोभा बढ़ा रहे हैं। प्रशासनिक उदासीनता के चलते कई जगह तो ऐसे भी हालत है कि पूर्व सरपंचों द्वारा वर्तमान पंचवर्षीय में चुने गए सरपंचों को एलईडी एवं कंप्यूटर सिस्टम दिया ही नहीं गया। ग्राम पंचायत कार्यालय में ई ग्राम पंचायत जैसी अत्याधुनिक व्यवस्था की सामग्री ना रखी जाने के कारण और अधिकतर ग्राम पंचायत का नियमित ताला न खोलने एवं शासन तथा प्रशासन के निर्देशानुसार पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक का पंचायत में न बैठने के कारण ग्राम वासियों को यहां वहां भटकना पड़ता है। ऐसा भी नहीं है कि जनपद एवं जिले में बैठे अधिकारियों को इस विषय की जानकारी नहीं है बल्कि हकीकत यह है कि यह जिम्मेदार अधिकारी जानकर भी अंजान बने हुए हैं।

सोहागी घाटी में दर्दनाक हादसा, अनियंत्रित ट्रक पलटा, एक की मौत, दो गंभीर घायल

रीवा। जिले के सोहागी घाटी एक बार फिर सड़क हादसे का गवाह बनी है। सोमवार रीवा-प्रयागराज मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रेलर ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ट्रक में सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेलर ट्रक रीवा से प्रयागराज की ओर जा रहा था। जैसे ही वाहन सोहागी घाटी के ढलान पर पहुँचा, चालक संतुलन खो बैठा और ट्रक बेकाबू होकर पलट गया। हादसे में ट्रेलर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक में सवार अमरेश यादव, निवासी बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, चालक चेतराम यादव और खलासी मोहम्मद जब्बार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को तुरंत पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से ट्रक से बाहर निकालकर उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही सोहागी थाना प्रभारी पवन शुक्ला अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे। उन्होंने बताया कि ट्रेलर में तीन लोग सवार थे। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है और घायलों का इलाज जारी है। गौरतलब है कि सोहागी घाटी क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से लगातार सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आ रही हैं। पुलिस द्वारा नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है, बावजूद इसके हादसों की संख्या में कोई खास कमी नहीं आई है।

सीएम हेल्प लाइन में 50 दिन से अधिक के आवेदनों का निराकरण करें

रीवा । कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण पर सभी अधिकारी विशेष ध्यान दें। इसमें 50 दिन से अधिक समय से लंबित सभी आवेदन पत्रों का सात दिवस में निराकरण करें। संभागीय अधिकारी प्रत्येक दिन जिला अधिकारियों द्वारा आवेदनों के निराकरण की समीक्षा करें। निचले स्तर तक जाकर आवेदनों में कार्यवाही करके ही इनका निराकरण संभव होगा। खाद्य विभाग, गृह विभाग ने पिछले सप्ताह अच्छा निराकरण किया है। पीएचई, कृषि, ट्राईबल, ऊर्जा, राजस्व, ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी भी प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। कमिश्नर ने कहा कि अब सभी अधिकारी ई आफिस के माध्यम से ही फाइलें और पत्र भेजें। महत्वपूर्ण सूचनाओं और रिपोर्ट को भी ई आफिस के माध्यम से ही प्रस्तुत करें। अधीनस्थ जिलाधिकारियों और कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण दिलाकर कार्यालयीन कामकाज ई आफिस के माध्यम से करें। लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। सभी अधिकारी 31 जुलाई तक सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण 15 दिवस में पेंशन कार्यालय में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर दें। संभागीय समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का पालन प्रतिवेदन सात दिवस में अनिवार्य रूप से ऑनलाइन दर्ज करा दें। कमिश्नर ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान में अभी प्रगति संतोषजनक नहीं है। निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार पौधे रोपित करके उनकी सुरक्षा के उचित प्रबंध करें। नेशनल हाइवे तथा मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम हाइवे के डिवाइडरों में पौधे रोपित कराएं। सभी शिक्षण संस्थानों, छात्रावासों और आंगनवाड़ी केन्द्र परिसरों में भी भूमि उपलब्ध होने पर पौधे अवश्य रोपित कराएं। अब तक वन विभाग द्वारा 4619048, जल संसाधन विभाग द्वारा 4704, लोक निर्माण विभाग द्वारा 4781, ऊर्जा विभाग द्वारा 3710, पीआईयू द्वारा 4369, सड़क विकास निगम द्वारा 8540 तथा शिक्षा विभाग द्वारा 85970 एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 26526 पौधे रोपित किए गए हैं।

मार्च महीने में हुई हिंसा, गांव की रफ्तार थाम कर रख दी

गड़रा गांव में घटना के 4 महीने बाद भी भय और बेबसी का साया...? प्रशासन की ओर से गांव में भरोसे और सहयोग के पुनर्स्थापना की पहल, ताकि घाव भरे और गांव आगे बढ़े

मऊगंज। जिले में 15 मार्च 2025 को दिल को दहला देने वाली घटी घटना का वेदना भरा दिन शाहपुर थाना क्षेत्र के गड़रा गांव को आज भी तथाकथित डर और दुख के अंधकार में ढकेले हुए है। घटना के ठीक 4 महीने बाद भी गांव के हालात उस तरह से सामान्य नहीं हो पाए जैसा होना चाहिए। हालांकि जिला प्रशासन द्वारा गांव की स्थिति को सामान्य दौर में लाने के लिए अथक प्रयास किए गए हैं और किया जा रहे हैं प्रशासन की ओर से गांव में भरोसे और सहयोग के पुनर्स्थापना की पहल भरे प्रयास किए जा रहे हैं।

बता दें की गत 15 मार्च को शनि द्विवेदी की निर्मम हत्या और बचाव में पहुंची पुलिस टीम पर हुए हमले में उपनिरीक्षक रामचरण गौतम की शहादत ने न केवल जिले को झकझोर कर रख दिया बल्कि हिंसा में दर्जन भर अधिकारी कर्मचारी घायल हुए थे उसके बाद गांव में धारा 144 लागू हुई। घरों पर ताले लटकने लगे, खेत बंजर हो गए और कई परिवार छिन्न-भिन्न हो गए, इस छोटे से गांव के विकास एवं दिनचर्या की रफ्तार भी थाम कर रख दी।

थमी सी है जिंदगी, गांव में सन्नाटे जैसे हालात

जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गड़रा गांव की गलियों में आज 4 महीने बाद भी पुलिस का पहरा है, लोग डरे-सहमे अपने घरों तक सिमटे हैं। कई मकानों पर या तो ताले लटके हैं, या फिर परिवार जेल में हैं, या हिंसा के बाद से गांव छोड़ चुके हैं और आज तक उनकी घर वापसी नहीं हुई। गड़रा कांड में अब तक 39 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, अभी 10 फरार बताए जा रहे हैं। हालांकि प्रशासन का दावा है कि स्थिति सामान्य हो रही है लेकिन जमीनी सच्चाई इससे अलग है।

ग्रामीणों की परेशानी उन्हीं को जुबानी

टूट गया हाथ, छिन गई रोटी-

गड़रा गांव निवासी निर्मला साकेत उन महिलाओं में हैं जिसे बिना किसी दोष के बर्बरता का सामना करना पड़ा । पीड़ित का आरोप है कि 17 मार्च को पुलिस ने उसके घर में घुसकर पति और बेटे को उठाया और मारपीट में उसका हाथ भी तोड़ दिया। केवाईसी अधूरी होने के कारण राशन मिलना बंद हो गया। खेत उजड़ गया, मवेशी भूखे मरने लगे, और जिन घरों में वह

मजदूरी करती थीं, वहां से भी काम छिन गया।

पवन का दर्द, एक साथ तीन अर्थियां-

मार्च महीने की 15 तारीख को गड़रा गांव में हुई हिंसा के बाद 4 अप्रैल को गांव में एक और हृदय विदारक दृश्य सामने आया, जब पवन साकेत के पिता औशेरी 55 वर्ष, बहन मीनाक्षी 11 वर्ष और भाई अमन 8 वर्ष के शव घर में फांसी के फंदे पर झूलते पाए गए। पवन ने बताया कि प्रशासन ने मुआवजे का वायदा किया था, पर अब तक एक रुपया नहीं मिला। हम बांस काटकर, लकड़ी बेचकर जीवन निर्वाह रहे हैं।

दिव्यांग बेटे को भी नहीं बख्शा-

गड़रा गांव में घटित घटना की लपेट में आए स्थानीय निवासी शिवरतन ने बताया कि उसके दिव्यांग बेटे बृजभान, जो चलने-फिरने में असमर्थ है, को भी पुलिस ने आरोपी मानकर जेल भेज दिया। पीड़ित शिवरतन ने आरोप लगाते हुए कहा कि पेट के ऑपरेशन से उबर रहे बृजभान को जबरन उठा लिया गया। अब वह रीवा के अस्पताल में जीवन और न्याय दोनों के लिए संघर्ष कर रहा है।

बच्चों की पढ़ाई ठप्प, पुलिस चौकी बना स्कूल

जिले के अंतर्गत गड़रा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति और पढ़ाई के बजाय पुलिस की तैनाती देखने को मिली। हालांकि उपस्थित पुलिसकर्मियों ने कहा कुछ बच्चे स्कूल आते हैं। इधर आंगनबाड़ी में भी सन्नाटा पसरा रहा। शिक्षा और बचपन पर इस त्रासदी का गहरा असर पड़ा है। जिसके चलते आज घटना के 4 महीने बाद भी गांव में ना तो पुरानी रौनक लौटी है और ना ही लोगों के चेहरे पर खुशी। हालात कुछ इस कदर जैसे गांव की खुशी एवं चैन पर काली छाया पड़ गई हो। शासन की योजनाएं जहां प्रभावित हैं वहीं देश के भविष्य कहे जाने वाले बच्चों की पढ़ाई, माता-पिता के भविष्य की सारी लालसाएं जैसे खत्म हो गई हो। चिंतन है तो सिर्फ दर्द भरे उस दिन का जिसके कारण आज यह दिन देखने पड़ रहे हैं, लोगों ने कहा पता नहीं वह दिन कब आएगा जब ग्रहण की छाया से हम सब उभर पाएंगे, कब लौटेगी गांव में खुशियां, कब बच्चों की चहल-पहल भरी वह रौनक आएगी ?

कब लौटेगा वह गांव का भाई चारा ?

गांव के लोगों ने दर्द भरे लहजे में कहा जाति वर्ग विभेद को दरकिनार कर काकू कक्का काकी जैसी आवाजें सुनने के लिए जहां कान तरस गए, वहीं आंखें धोमिल हो गई। गांव के वर्तमान जो हालात हैं उससे जाहिर होता है गड़रा गांव की कहानी सिर्फ एक हिंसा की नहीं, बल्कि उसके बाद की चुप्पियों, कराहों और अन्याय की भी है। हर घर से एक स्वर उठ रहा है दोषियों को सजा जरूर मिले, लेकिन निर्दोषों को न्याय मिलना चाहिए।

स्थिति अब सामान्य, सामाजिक समरसता की ओर अग्रसर

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह परिहार ने कहा कि गडरा गांव में एक अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई।पुलिस ने गहन जांच के लिए विशेष टीमें गठित की थीं। अब तक 39 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा चुका है, जबकि 10 अन्य अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल था, जो सामाजिक स्तर पर भी व्याप्त था। ऐसे में पुलिस और प्रशासन ने ग्रामीणों के सहयोग से स्थिति को संभालने का सतत प्रयास किया। आज जनजीवन काफी हद तक सामान्य हो चुका है। अधिकांश प्रवासी मजदूर भी गांव लौट आए हैं और पुनः खेती-किसानी तथा अन्य कार्यों में जुट गए हैं। सामाजिक वैमनस्य को दूर करने हेतु प्रशासन ने विभिन्न समुदायों के साथ संवाद की प्रक्रिया अपनाई है। सामूहिक बैठकों के माध्यम से सौहार्द्रपूर्ण वातावरण बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है ताकि गांव की साझा संस्कृति और सह-अस्तित्व बना रहे,उन्होंने मऊगंज और अन्य गांवों के निवासियों से अपील करते हुए कहा हम सभी को मिलकर शांति, कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द्र बनाए रखना है। यदि किसी के मन में कोई शंका या पीड़ा है, तो वह बेहिचक प्रशासन से संवाद करे। हम सबके लिए सदैव उपलब्ध हैं। मुझे विश्वास है कि गांव अब स्थिरता की ओर बढ़ रहा है और भविष्य में यह सामूहिक प्रगति का प्रतीक बनेगा।

मऊगंज कलेक्टर ने सुमंगल साइकिल दिवस में साइकिल से पहुंचे कार्यालय

मऊगंज* पर्यावरण संरक्षण एवं ईंधन बचत को लेकर मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन ने प्रेरणादायक पहल का पालन करते हुए मंगलवार को अपने निवास से कलेक्टर कार्यालय तक साइकिल से पहुंचे। यह कदम रीवा संभाग आयुक्त द्वारा शुरू किए गए सुमंगल साइकिल दिवस अभियान के अंतर्गत उठाया गया है। कलेक्टर के साथ इस अभियान में उनके निज सहायक पंकज श्रीवास्तव, रीडर सहित अन्य कार्यालय स्टाफ ने भी सहभागिता निभाई। कलेक्टर कार्यालय परिसर में पहुंचने के बाद उन्होंने सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों से इस पहल को हर मंगलवार नियमित रूप से अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि "विश्व भर में बढ़ते पर्यावरण असंतुलन और ईंधन की लगातार हो रही कमी को देखते हुए यह आवश्यक है कि हम सभी अपने स्तर से प्रयास करें। हर मंगलवार को साइकिल से कार्यालय आने से न केवल स्वास्थ्य लाभ मिलेगा, बल्कि ईंधन की भी बचत होगी और पर्यावरण संतुलन में भी योगदान मिलेगा।"कलेक्टर ने यह भी बताया कि संभागायुक्त महोदय की इस अभिनव सोच के तहत पूरे रीवा संभाग के सभी विभाग प्रमुखों को यह निर्देश दिया गया है कि वे प्रत्येक मंगलवार को साइकिल से कार्यालय आएं। यदि मौसम प्रतिकूल हो, जैसे बरसात के दिन हों, तो ई-रिक्शा या ई-स्कूटी का भी उपयोग किया जा सकता है। इस अभियान का उद्देश्य आम जनता में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है और यह संदेश देना है कि छोटे-छोटे बदलावों से भी बड़ा प्रभाव संभव है। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों और आम नागरिकों से इस अभियान को नैतिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने की अपील की है। यह पहल मऊगंज में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम के रूप में देखी जा रही है।